

सांवरे बस दो रोटी | By Puja Nathani

प्रेम का तिनका जोड़ झोपड़ी बानी दीवाने के
सांवरे बस दो रोटी खाले मेरे गरीबखाने की
मेरे गरीबखाने की, मेरे गरीबखाने की

प्रेम की रोटी सांवरे खाओगे चबा चबा कर
खिलएंगे हम तुमको यूँ आंसू बहा बहाकर
कभी ना इच्छा होगी तेरी गंगा नहाने की
सांवरे बस दो रोटी खाले मेरे गरीबखाने की

पूछोगे मेरी गली तुम, पूछोगे मेरा ठिकाना
नाम पूछोगे मेरा खाओगे एक बार खाना
पूछोगे तरकीब सांवरे रोटी बनाने की
सांवरे बस दो रोटी खाले मेरे गरीबखाने की

उमर भी छोटी तेरी तुमने माखन चुराया
मेरे घर में बनवारी अगर जो खाना खाया
तेरी इच्छा हो जाएगी रोटी चुराने की
सांवरे बस दो रोटी खाले मेरे गरीबखाने की

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%b8-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a5%80-by-puja-nathani/>